

[ विषय 18 ]

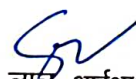
Form (Giv), Rule 169, Appendix 'B', Form No 91.

श्री शिवशर्मा श्री शर्मा

दिनांक 16/11/53 25/11/53 253/काका/2002 214/काका/16

प्राचीन क्रम	वृत्त या कामेवाही पत्र प्रमाणिका वगैरे	वृत्त व प्राचीन वृत्त या वृत्त की प्राचीन व प्राचीन
22 <sup>4</sup> 53	<p>प्राचीन वाही काठियावाड़ 1913</p> <p>काठियावाड़ काठियावाड़ 7<sup>9</sup> 53</p> <p>काठियावाड़ काठियावाड़ 1913 53</p> <p>काठियावाड़ काठियावाड़ काठियावाड़</p>	<p>जाही</p> <p>118</p>
27 <sup>11</sup> 8	<p>प्राचीन वाही काठियावाड़</p> <p>काठियावाड़ काठियावाड़ काठियावाड़</p> <p>काठियावाड़ काठियावाड़ काठियावाड़</p> <p>काठियावाड़ काठियावाड़ काठियावाड़</p>	
27 <sup>11</sup> 8	<p>प्राचीन वाही काठियावाड़ काठियावाड़</p> <p>काठियावाड़ काठियावाड़ काठियावाड़</p>	

शर्मा

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही इनिशियल्स जज
	<p>समझा जावेगा और बंधकगृहिता को बंधक भूमि बंधककर्ता को सम्मलाना होगा। धारा 43 (क) के प्राक्धानों के अनुसार प्रतिवादी द्वारा यहां ऐसा कोई बंधक पत्र या दरतावेज पेश नहीं किया है जिससे स्पष्ट हो कि बंधक किसी निश्चित नियमों में किया गया था और वह अब भी उन्हीं नियमों से शासित है और उस आधार पर वह विवादित भूमि पर काबिज है। धारा 43 (4-ड) के अनुसार कोई बंधकदार जो बिना पर्याप्त कारण के धारा 43(घ) के मुताबिक बंधक अवधि 05 वर्ष के समाप्ति के 03 माह अंदर बंधककर्ता को सम्पत्ति पर कब्जा देने में विफल रहता है, सिद्ध-दोष होने पर, कारावास से, जिसकी अवधि एक वर्ष तक हो सकती है अथवा जुर्माने से अथवा दोनो से दण्डनीय होगा। धारा 43 (5) के अनुसार बंधकगृहिता बंधककर्ता को भूमि का कब्जा वापिस परिदत्त नहीं करता है तो बंधकगृहिता को अधिकार होगा कि वह धारा 183 राजस्थान टिनेन्सी एक्ट अन्तर्गत उसे बेदखल करवाये। चूंकि विवादित भूमि पर प्रतिवादी का बंधक 05 वर्ष से अधिक पुराना हो चुका है, इसलिये प्रतिवादी विवादित भूमि पर सिफ अतिक्रमी की हैसियत से काबिज है। अतः नियमों के अन्तर्गत विवादित आराजी का बंधक मोचन हो चुका है और प्रतिवादी विवादित आराजी पर सिफ अतिक्रमी की हैसियत से काबिज है, जिसे बेदखल करवाकर कब्जा प्राप्त करने का वादी अधिकारी है।</p> <p>अतः वाद वादी डिक्री जाता है एवं जमाबंदी सम्यत् 2052-55 ग्राम खटकड़ तहसील व जिला बून्दी के खाता संख्या 290 पुराना 262 की आराजी खसरा संख्या 641 रकबा 06 बीघा 03 बिस्वा आराजी पर से प्रतिवादीगण को बेदखल करने के आदेश प्रदान कर तहसीलदार, रायथल को निर्देशित किया जाता है कि वह विवादित आराजी के राजस्व रेकार्ड में अंकित प्रतिवादी के मु0बि0क के इन्द्राज को विलोपित किया जाना सुनिश्चित करें एवं भूमि का कब्जा वादी को दिलाये जाने की कार्यवाही करें। डिक्री पचा जारी कर पत्रावली फैसेले में शुमार होकर बाद पूर्ति नियमानुसार दाखिल दफ्तर हो। निर्णय मेरे द्वारा लिखाया जाकर आज दिनांक 09.10.2023 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।</p> <p style="text-align: center;">           (सोहन लाल, आई0ए0एस0)          उपखण्ड अधिकारी          बून्दी       </p>

(C)  
 उपखण्ड अज अदालत  
 अधिकारी  
 1. शिवप्रसाद  
 ब्राह्मण  
 सि